सांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 266 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 7 नवम्बर, 2022

मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देखकर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते जिनका न आदि है न अंत।

-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

बेईमानी से चुनाव जीतने में माहिर... 7 | निकाय चुनाव के जरिए नैरेटिव... 3 | बीजेपी के रहते नहीं हो सकते निष्पक्ष... 2

केंद्र सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

गरीब सवर्णों के लिए लागू रहेगा दस फीसदी कोटा

» शीर्ष अदालत में पांच जजों की पीठ ने 3-2 से दिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 फीसदी आरक्षण दिए जाने के फैसले को सही ठहराया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार के फैसले पर अपनी मुहर लगाई है। चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पांच संदस्यीय बेंच ने 3-2 से फैसला सुनाया है। तीन जजों ने संविधान के 103वें संशोधन अधिनियम 2019 को सही माना है। बेंच में जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, एस रवींद्र भट्ट, बेला एम त्रिवेदी और जेबी पारदीवाला शामिल थे। चीफ जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस भट्ट ने अपनी असहमति जताई है।

ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण दिए जाने के खिलाफ 30 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की गई थी। 27 सितंबर को हुई पिछली सुनवाई में अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। गौरतलब है कि ईडब्ल्यूएस को शिक्षा और नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था है। केंद्र सरकार ने 2019 में 103वें संविधान संशोधन विधेयक के जरिए इसकी व्यवस्था की थी।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पक्ष में तीन जज

जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पक्ष में अपनी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि आर्थिक मानदंडों पर आरक्षण संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण समानता संहिता का उल्लंघन नहीं करता। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी ने भी ईडब्ल्यूएस आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वह जस्टिस माहेश्वरी के साथ सहमत हैं। सामान्य वर्ग में ईडब्ल्यूएस कोटा वैध और संवैधानिक है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने भी ईडब्ल्यूएस आरक्षण का समर्थन किया। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित और जस्टिस रविंद्र भट्ट ने ईडब्ल्यूएस को आरक्षण के फैसले पर असहमति जताई।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राहत

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि लीज आवंटन व शेल कंपनियों में निवेश की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार और हेमंत सोरेन की दाखिल एसएलपी को मंजूर करते हुए कहा कि झारखंड हाई कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका राजनीतिक से प्रेरित है। इसलिए यह जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को दरकिनार कर दिया।

सरकार ने किया था कानून का समर्थन

सरकार ने अदालत में इस कानून का समर्थन किया है। सरकार का कहना है कि इस कानून के जरिए गरीबों को आरक्षण का प्रावधान है। इससे संविधान का मूल ढांचा मजबूत होता है। वहीं विरोध में दायर याचिकाओं में आर्थिक आधार पर आरक्षण को संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ बताते हुए रद्द करने की मांग की गई थी।

इनकम टैक्स के राडार पर पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल

» कोलकाता के कारोबारी ने सिंघल पर ट्रांसफर, पोस्टिंग और धांधली के लगाए थे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सरकार में मुख्य सचिव रहे दीपक सिंघल से इनकम टैक्स की टीम पूछताछ करेगी। सूत्र बताते हैं कि बीते दिनों ऑपरेशन बाबू साहब की छापेमारी में दीपक सिंघल का भी नाम सामने आया है। ऑपरेशन बाबू साहब पार्ट-2 छापेमारी के दौरान कई कारोबारियों से पूछताछ हुई, जिसमें कोलकाता के कारोबारी ने दीपक सिंघल का नाम यूपी में ट्रांसफर पोस्टिंग और धांधली में लिया है। अगले एक सप्ताह में इनकम टैक्स दीपक सिंघल से पूछताछ कर सकती है।

केंद्रीय जांच एजेंसी इनकम टैक्स ने एक बार फिर से 31 अगस्त को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 22 लोकेशन पर बीते 22 सितंबर को छापेमारी की थी। इनकम टैक्स के एक वरिष्ठ सूत्र अधिकारी के मुताबिक इस ऑपरेशन को ऑपरेशन बाबू साहेब पार्ट -2 का नाम दिया है। इस ऑपरेशन बाबू साहेब के अंतर्गत कई विभाग में कार्यरत उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया गया, जो सरकारी फंड का दुरुपयोग करके व्यक्तिगत फायदा लेते हैं और घोटाले की बुनियाद तैयार करते हैं। इस ऑपरेशन के तहत फिलहाल 22 लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन की शुरुआत की गई थी। ऑपरेशन बाबू साहेब पार्ट 2 में छापेमारी के बाद कई कारोबारी और बिचौलियों से इनकम टैक्स की टीम अलग-अलग जगह पर पूछताछ कर रही है।

यह भी बता दें कि सीबीआई ने यूपी सरकार से पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और दीपक सिंघल के खिलाफ जांच की इजाजत मांगी है। दोनों पूर्व अफसरों पर गड़बड़ियों की अनदेखी का आरोप लगा है। रिवरफ्रंट निर्माण के समय आलोक रंजन मुख्य सचिव और दीपक सिंघल सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव थे। बाद में दीपक सिंघल प्रदेश के मुख्य सचिव बने थे।

दो साल पहले हुई थी एफआईआर

पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल और उनके दामाद के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ढाई करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और साजिश करने का केस 2020 में दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-13 निवासी संजय अग्रवाल की शिकायत पर हुई है। संजय का आरोप है कि दीपक सिंघल ने अपने दामाद के साथ मिलकर कागज सप्लाई का टेंडर दिलाने के लिए जालसाजी की थी। सितंबर 2016 में उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी दीपक सिंघल बनाए गए थे।

विभिन्न विभागों में टेंडर का दिया था ऑफर

संजय अग्रवाल ने ईओडब्ल्यू को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि साल 2017 में उत्तर प्रदेश के सीएस रहे दीपक सिंघल के दामाद दीपक अग्रवाल से उनकी मुलाकात हुई थी। दामाद दीपक अग्रवाल ने उनसे कहा कि आप कागज के कारोबारी हैं। आपको उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में सप्लाई किए जा रहे स्टेशनरी का टेंडर मैं दिला दूंगा। दीपक अग्रवाल ने विश्वास दिलाने के लिए मेरी मुलाकात अपने ससुर दीपक सिंघल से साल 2017 में उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव के कार्यालय में कराई थी। मुलाकात के दौरान दीपक सिंघल ने मुझे टेंडर दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बाद दामाद ने ढाई करोड़ रुपए टोकन मनी मुझसे ले लिया। मूलरूप से सहारनपुर के रहने वाले दीपक सिंघल को साल 2016 में उत्तर का चीफ सेक्रेटरी बनाया गया था। 1982 बैच के अफसर दीपक की छवि तेज तर्रार और कामकाजी अफसर की हुआ करती थी।

बिहार में भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के कटिहार जिले में आज स्थानीय भाजपा नेता संजीव मिश्रा की गोली मार कर हत्या कर दी गई। इसके विरोध में गांव के लोगों ने चक्काजाम कर दिया। क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार दो बाइक सवार टेल्टा थाना क्षेत्र में स्थित मिश्रा के घर पहुंचे और उन्हें गोली मार दी। बताया गया है कि पुरानी रंजिश को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया। हत्या के विरोध में स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मामले की जांच की जा रही है।

बीजेपी के रहते नहीं हो सकते निष्पक्ष चुनाव : अखिलेश

» उपचुनाव में सरकार ने लोकतंत्र को पराजित किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव के बाद बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सत्ता लोलुपता के चलते कहीं भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं रह गया है। पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से भाजपा कार्यकर्ता बनकर काम कर रहा है। गोला गोकर्णनाथ विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में भाजपा धांधली से जीतने की तैयारी में मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से मतदान नहीं करने दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत सरकार को सभी स्थितियों से पहले ही अवगत कराया गया लेकिन जिस तत्परता से कार्यवाही अपेक्षित थी, वह नहीं हुई है। लोकतंत्र के लिए यह खतरे की घंटी है। सपा मुखिया ने आरोप लगाया कि विधानसभा क्षेत्र 139 गोला गोकर्णनाथ के मतदान स्थल के बूथ प्रभारी पूर्व प्रधान जुबेर और हरिनगर के पूर्व प्रधान मेजर सिंह बिट्टू को पुलिस बेवजह पकड़ कर ले गई। इसी क्षेत्र के ग्राम लालापुर, मदनपुर, लक्ष्मणजती के पोलिंग स्टेशन पर भाजपा समर्थकों ने कब्जा कर सपा के मतदाताओं को भगा दिया। मतदाताओं को भयमुक्त और निष्पक्ष मतदान कराने का संवैधानिक दायित्व भारत निर्वाचन आयोग का है। अखिलेश ने कहा उपचुनाव में सरकार ने लोकतंत्र को पराजित किया है। इस चुनाव में कदम-कदम पर धांधली हुई। मतदाताओं ने 90 हजार से ज्यादा वोट समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को देकर भाजपा को चुनौती दी है। इस चुनाव में लोकतंत्र की मर्यादाएं तार-तार हुई है।

आगामी चुनाव में लोकतंत्र बचाने के लिए करना होगा संघर्ष

अखिलेश ने कहा यह बात तो मतदान के दिन ही स्पष्ट हो गई थी कि भाजपा राज में कहीं भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं। मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से भाजपा काम ही नहीं करने देती है। मतदान के दिन पुलिस लाठीचार्ज, पोलिंग एजेन्ट को भगा देने, खासकर मुस्लिमों, समाजवादी पार्टी के समर्थकों तथा बूथ प्रभारियों को प्रताड़ित करने, मतदाताओं में पैसे बांटने जैसी घटनाओं से साफ था कि भाजपा बौखलाहट में जीत के लिए कुछ भी करेगी। भाजपा को सिर्फ सत्ता चाहिए। छल-बल, झूठ-फरेब हर हथकंडा वह इसके लिए अपनाती है। आखिर क्यों नहीं निर्वाचन आयोग चुनावों में पारदर्शिता बनाए रखने और निष्पक्षता बरतने में सफल नहीं हो सका? यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। भाजपा सभी नैतिक मूल्यों, आदर्शों की हत्या कर लोकतंत्र को भी दागदार बनाने पर तुल गई है। अब मतदाताओं को पूरी मुस्तैदी से होने वाले आगामी चुनावों में लोकतंत्र को बचाने का पूरी ताकत से संघर्ष करना ही होगा।

भाजपा ने चुनाव जीत लेने का दावा मतदान का परिणाम आने से पहले किया था। भाजपा के पक्ष में चुनाव में जोर जबर्दस्ती वोट बटोरे गए। अखिलेश यादव ने चुनाव नतीजे पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने समाजवादी समर्थकों को घरों से उठाकर भयभीत किया। प्रशासन तंत्र ने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम किया।

देश को बेचने पर तुले हैं दो गुजराती : लल्लन

» केंद्र सरकार पर जमकर बरसे जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सभी दलों के खिलाफ है। एनडीए भी टूटने के कगार पर है। पिछली बार उत्तर प्रदेश चुनाव में एक भी प्रत्याशी नहीं उतारकर बड़ी भूल की थी। इस बार 2024 में यह भूल नहीं दोहराएंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़े ही आक्रामक रूप में जदयू (जनता दल यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने मंच से भाजपा पर खूब तीखे वार किए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से लेकर रेलवे तक का निजीकरण हो रहा है। दो गुजराती देश को बेचने पर तुले हैं। कानपुर के घाटमपुर के जनता महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन उन्होंने महंगाई और अग्निपथ पर भाषण देते हुए केंद्र सरकार को घेरा। इसके साथ ही हाल ही में घाटमपुर में हुई ट्रैक्टर ट्राली दुर्घटना में प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने उज्ज्वला योजना को लेकर भी तंज कसा और सरकार द्वारा इस योजना से जनता को ठगने की बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को दूर करने के लिए धार्मिक उन्माद का सहारा लेती है। जीडीपी लगातार गिरती जा रही है, रुपया हल्का होता जा रहा है, जबकि कमजोर देश पाकिस्तान और श्रीलंका की करेंसी नहीं घट रही है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम लिए बिना उन्हें भाजपा का एजेंट बताया और कहा कि उनकी वजह से जदयू दोबारा एनडीए में 2017 में शामिल हुई। इसके चलते भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार में 40 में 39 सीटें मिलीं। उन्होंने कहा कि 2020 में जदयू 42 सीट पर चुनाव हारी और नीतीश कुमार ने सीएम बनने से इन्कार कर दिया।

बिल्डर के खिलाफ सनब्रिज अपार्टमेंट के बाशिंदों में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सनब्रिज वन अपार्टमेंट बीबीडी ग्रीन सिटी के पार्क में सनब्रिज वन अपार्टमेंट की बैठक हुई। इस दौरान विराज प्रबंधन के निदेशक द्वारा सचिव के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सर्वसम्मिति से खारिज कर निंदा प्रस्ताव पास किया गया। साथ ही दिसंबर 2011 से पहले एलडीए द्वारा जारी सीसी के लिए रखे गए शुल्क बिल्डर द्वारा वापस कराने के लिए प्रस्ताव पास किया गया।

वहीं जीपीएम के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे पहले विराज प्रबंधन के निदेशक आरके अग्रवाल द्वारा सचिव संदीप कुमार पांडेय द्वारा लगाए आरोपों पर चर्चा के बाद इसे निराधार बताया गया। बिल्डर द्वारा ट्रायल इंटरनेट सेवा लेने, अन्य मोबाइल कंपनियों की सेवा न लेने देने, कार पार्किंग शुरू न

कराने, यूपीसीएल के कनेक्शन न दिए जाने आदि मामलों पर चर्चा के बाद इसकी आचोलना की गई। बैठक में महिलाओं ने बिना पुलिस वैरीफिकेशन के अविवाहितों को कमरा किराए पर देने, मनमाने ढंग से क्लब हाउस देने व खराब सुरक्षा की शिकायत की गई। साथ ही बिल्डर को सही कदम न उठाने पर उसके खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस मौके पर अध्यक्ष एलबी राय, सचिव संदीप कुमार पांडेय मौजूद रहे।

निकाय चुनाव में भी सभी सीट जीतेंगे : भूपेंद्र सिंह

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- गुंडे पालने का काम करती थी पूर्व सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का मेरठ के कंकरखेड़ा में सरधना रोड स्तिथ पायल फर्नीचर हाउस पर व्यापार संघ के अध्यक्ष व भाजपा नेता नीरज मित्तल के नेतृत्व में भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी निकाय चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुट जाना चाहिए। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि इस बार भाजपा मेरठ और अलीगढ़ समेत सभी सीटों पर निकाय चुनाव में जीत हासिल करेगी।

पार्टी की ओर से चुनाव की पूरी तैयारी की जा चुकी है। भाजपा कार्यकर्ता घर घर जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे है। भूपेंद्र चौधरी यहां राज्य मंत्री दिनेश

ट्विटर नेता बनकर रह गए मायावती व अखिलेश

गोला उपचुनाव में भाजपा की जीत पर उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता दिन रात जनता के बीच मे रहते है, विपक्ष की तरह नहीं कि चुनाव होते ही घर बैठ जाते हैं। बहनजी और अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वह सिर्फ ट्विटर पर बयान जारी करते है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा सभी दलों की पार्टी है। हमें अब बसपा-सपा गठबंधन से भी कोई फर्क नहीं पड़ता है, हमारे साथ मे जनता है।

खटीक की माता जी की शोक सभा मे पहुंचे थे। उसके बाद सर्किट हाउस पहुंचकर उन्होंने गोला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की बड़ी जीत पर सभी को बधाई दी। उन्होंने

भाजपा की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें

उन्होंने भाजपा की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामों की सराहना भी करी। अध्यक्ष ने कहा पूर्व की सरकार गुंडे पालने का काम करती थी, जिस कारण जनता त्रस्त रहती थी। मगर योगी सरकार ने सबसे बड़ा काम प्रदेश से माफियाओं को खत्म करने का किया है। भाजपा सरकार गरीब, दलित, पिछड़े व आदिवासी सभी को एक साथ लेकर चल रही है। साथ ही सबकी विकास नीति पर कार्य कर रही है।

रामपुर सीट पर भी उपचुनाव में जीत हासिल करने की बात कही। उन्होंने कहा भाजपा निकाय चुनाव में जो सीट पिछली बार हार गई थी। वहां भी इस बार जीत हासिल की जाएगी। जो नई सीट शाहजहांपुर बनी है वहां भी जीत हासिल की जाएगी। उन्होंने कहा भाजपा के सामने अब कोई विपक्ष नही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश और मायावती ट्विटर के नेता बनकर रह गए है।

हिमाचल में 26 साल के पीयूष कांगा सबसे युवा उम्मीदवार

» 82 वर्षीय धनीराम शांडिल सबसे उम्रदराज उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश के चुनावी रण में इस बार कुल 412 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। खास बात यह है कि चुनावी समर में सबसे कम उम्र के उम्मीदवार पीयूष कांगा (26 वर्ष) जबकि सबसे अधिक उम्र के उम्मीदवार धनीराम शांडिल (82 वर्ष) चुनाव मैदान में हैं। चुनाव में 388 पुरुष और 24 महिला उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं।

निर्वाचन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, सबसे कम आयु के पीयूष कांगा (26) बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी हैं, जबकि गगरेट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के चैतन्य (28), नाचन विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी जबना (29), भरमौर विधानसभा क्षेत्र से हिमाचल जन क्रांति पार्टी की पूजा (29) नूरपुर विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी की मनीषा (30), करसोग विधानसभा क्षेत्र से सी.पी.आई (एम) के किशोरी लाल (31), शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के विक्रमादित्य सिंह (33) तथा करसोग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दीप राज (34) युवा उम्मीदवार हैं। निर्वाचन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के कुल 55,92,828 मतदाता इस बार के चुनाव में मतदान करेंगे जिसके लिए कुल 7881 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। कुल मतदाताओं में 28,54,945 पुरुष, 27,37,845 महिला तथा 38 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।

निकाय चुनाव के जरिए नैरेटिव बदलने की तैयारी में भाजपा, मुस्लिमों पर भी खेलेगी दांव

» सपा के एमवाई तो बसपा के एमडी फैक्टर से निपटने को बनाया नया फॉर्मूला

» पसमांदा मुस्लिमों को रिझाने में जुटी भाजपा सम्मेलन कर दिया था संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा ने निकाय चुनाव को कमर कस ली है। उसने सपा के एमवाई और बसपा की एमडी फैक्टर से निपटने के लिए नया फॉर्मूला तैयार किया है। इसके तहत वह मुस्लिम कार्यकर्ताओं को निकाय चुनाव के मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। इसके जरिए वह मुस्लिमों को टिकट नहीं देने के नैरेटिव को बदलना चाहती है। यही वजह है कि वह पसमांदा मुस्लिमों को अपने पाले में करने में जुट गयी है।

निकाय चुनावों को लोक सभा चुनाव का सेमीफाइनल मानकर सभी राजनीतिक दल तैयारी में जुटे हैं। ऐसे में सपा के एमवाई (मुस्लिम-यादव) और बसपा के एमडी (मुस्लिम-दलित) फैक्टर से निपटने के लिए भाजपा इस बार नए फार्मूले को आजमाने जा रही है। लगातार संकेतों के बाद यूपी में योगी आदित्यनाथ सरकार के एकमात्र मुस्लिम मंत्री दानिश अंसारी ने कहा कि जो भी कार्यकर्ता चुनाव लड़ना चाहेंगे पार्टी उन पर विचार करेगी। उनका इशारा मुस्लिम कार्यकर्ताओं की ओर था। मंत्री ने कहा कि सरकार ने बिना किसी भेदभाव के लिए सभी वर्गों के लिए काम किया है। मुस्लिमों खासकर पसमांदा मुसलमानों को सरकार की विभिन्न कल्याकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिला है। भाजपा पर अब तक ये आरोप लगता रहा है कि वह चुनावों में मुस्लिमों को टिकट नहीं देती है। निकाय चुनाव के बहाने इस नैरेटिव को बदलने की कोशिश हो रही है। पिछले कुछ समय से लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि भाजपा मुसलमान विरोधी नहीं है। पार्टी प्रवक्ता राजेश सिंह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास नारा दिया और इस पर केंद्र से लेकर प्रदेश तक भाजपा की सरकारें पूरा अमल कर रही हैं। राजनीतिक जानकार भी मानते हैं कि भाजपा ने अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के बाद मुस्लिम वोटरों के बीच भी थोड़ी-बहुत ही सही पैठ बढ़ानी शुरू कर दी है। खास तौर पर मुस्लिम महिलाओं और पसमांदा मुसलमानों को अपने पाले में लाने की कोशिशें तेजी से की जा रही हैं। पिछले दिनों राजधानी लखनऊ में आयोजित पसमांदा बुद्धिजीवी सम्मेलन को इसी कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

सपा और बसपा के वोट बैंक में सेंध

यूपी में कांग्रेस के कमजोर पड़ने के बाद मुस्लिम, पिछड़ा और दलित वोटों पर सपा और बसपा दोनों की दावेदारी रही है। पिछले कुछ चुनावों के दौरान भाजपा काफी हद तक पिछड़ा वर्ग के गैर यादव वोटों और दलित वर्ग के गैर जाटव वोटों को जोड़ने में कामयाब रही है। अब इस कड़ी में पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की कोशिश हो रही है। पसमांदा मुसलमानों के बारे में कहा जाता है कि मुसलमानों में ये अपेक्षाकृत पिछड़े हैं। भाजपा की नजर इन्हीं पर है। मुस्लिम समाज की कुल आबादी में पसमांदा मुसलमानों की तादाद 80 फीसदी है।

बसपा की नजर सपा के वोट बैंक पर

निकाय चुनाव अपने सिंबल पर चुनाव लड़ने की पहले ही घोषणा कर चुकी है। बसपा के निशाने पर सपा का वोट बैंक है। इस वोट बैंक पर चोट करने और अपने पाले में लाने के लिए इमरान मसूद का सहारा लिया गया है। कभी सपा में रहे इमरान बसपा में पहुंचे तो खुद मायावती ने सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और पश्चिमी यूपी की जिम्मेदारी भी दे दी। बसपा में जिम्मेदारी मिलते ही इमरान मसूद एक्टिव हो गए। लगातार पश्चिमी यूपी के जिलों का दौरा कर रहे हैं। उनके निशाने पर सपा के मुस्लिम-यादव गठजोड़ का है। इमरान मसूद इस यानी मुसलमान को बसपा से जोड़कर मुसलमान-दलित गठजोड़ बनाना चाहते हैं।

सीएम योगी ने जरूरतमंदों के लिए खोल दिया यूपी सरकार का खजाना

1700 करोड़ से एक लाख बीमारों की मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गरीबों, जरूरतमंदों, बीमार, असहाय और लाचारों की मदद करने वाले ऐसे पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने एक लाख से ज्यादा लोगों की संकट में मदद की। पिछले साढ़े पांच वर्षों में एक लाख से अधिक लोगों को 17 अरब रुपये की आर्थिक सहायता दी है जबकि सपा सरकार में मात्र 10 हजार 431 लोगों को चार अरब 47 करोड़ 84 लाख 94 हजार 948 रुपए की मदद की गई थी। सीएम योगी ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से वित्तीय वर्ष 2017-18 में 13093 लोगों को एक अरब 71 करोड़ 35 लाख 82 हजार रुपये, वित्तीय वर्ष 2018-19 में 17 हजार 650 लोगों को दो अरब 44 करोड़ 94 लाख 49 हजार 400 रुपये, वित्तीय वर्ष 2019-20 में 17 हजार 940 लोगों को दो अरब 74 करोड़ 17 लाख 19 हजार 500 रुपये और वित्तीय वर्ष 2020-21 में 15,190 लोगों को दो अरब 66 करोड़ 82 लाख 35 हजार 286 रुपए दिए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में 22176 लोगों को तीन अरब 90 करोड़ 52 लाख 50 हजार 365 रुपये और वित्तीय वर्ष 2022-23 में 31 अक्टूबर तक 18597 लोगों को तीन अरब 32 करोड़ 90 लाख 25 हजार 359 रुपये दिए हैं। ऐसे में कुल साढ़े पांच वर्षों में 104646 लोगों को 16 अरब 80 करोड़ 72 लाख 61 हजार 910 रुपये दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव प्रथमेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार जरूरतमंद और गरीब पात्रों की मदद की जा रही है। इसमें किडनी प्रत्यारोपण, कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों में धनराशि तय समय में दी जाती है। इस पूरी व्यवस्था को अब और पारदर्शी बनाते हुए ऑनलाइन कर दिया गया है।

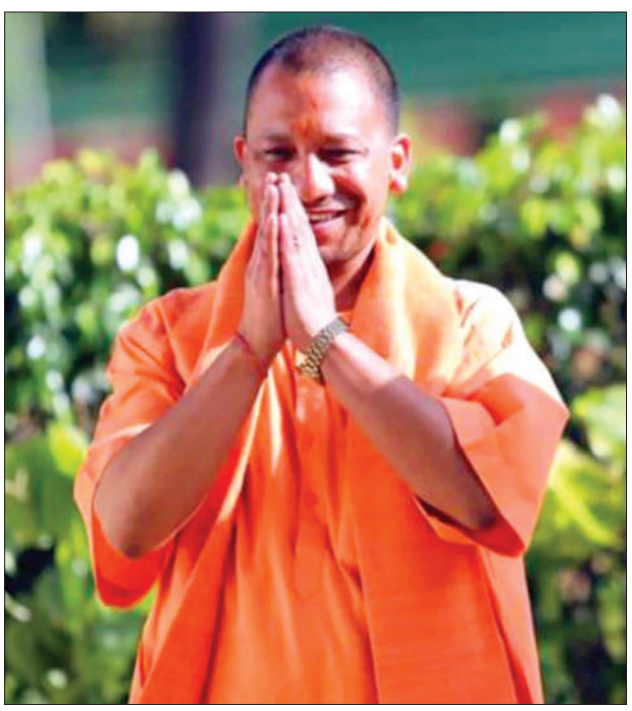

2241.72 करोड़ रुपये अधिक प्राप्त हुआ राजस्व

यूपी सरकार को बीते अक्टूबर माह में कर और करेतर राजस्व की मुख्य मदों में 13911.84 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है जो कि पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 2241.72 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में कर और करेतर राजस्व की मुख्य मदों में 11670.12 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि जीएसटी के तहत बीते अक्टूबर माह में 6044.88 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत वर्ष इसी माह में 4208.56 करोड़ रुपये मिले थे। वैट के मद में 2044.69 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है जबकि पिछले साल 2150.20 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। आबकारी के मद में लक्ष्य से अधिक 3051.26 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि पिछले वर्ष यह 2638.1 करोड़ रुपये था। स्टांप और निबंधन के मद में 1714.41 करोड़ रुपये मिले जबकि पिछले वर्ष 1868.52 करोड़ रुपये की आमदनी हुई थी। परिवहन के मद में 884.14 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई जबकि पिछले वर्ष 580.32 करोड़ रुपये मिले थे। भूतत्व और खनिकर्म के मद में 172.46 करोड़ रुपये मिले जबकि पिछले साल 224.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे।

बिकने के कगार पर थे परिवारों की जमीन और गहने

सीएम योगी ने इससे पहले कोरोना काल में भी लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए गांव-गांव और घर-घर भ्रमण किया था। इसके अलावा जिले स्तर पर सेवाओं और सुविधाओं को लेकर बैठक भी की थी। सीएम योगी शुरू से ही गरीबों, मजलूमों, असहायों और गंभीर रोगियों की मदद में आगे रहे हैं। सांसद रहते हुए भी उनके द्वार हमेशा आम लोगों के लिए खुले रहते थे। सीएम योगी की मदद से ऐसे हजारों लोगों की न सिर्फ जान बची है बल्कि उनके परिवारों की जमीन और गहने भी बिकने के कगार पर थे।

अखिलेश सरकार के पांच साल का हाल

सपा सरकार के दौरान 2012 से लेकर 2017 तक मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से वित्तीय वर्ष 2012-13 में 3362 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपए, वित्तीय वर्ष 2013-14 में 4361 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपए, वित्तीय वर्ष 2014-15 में 5284 लोगों को 44 करोड़ 98 लाख 80 हजार 750 रुपए, वित्तीय वर्ष 2015-16 में 7762 लोगों को 98 करोड़ 34 लाख 42 हजार 747 और वित्तीय वर्ष 2016-17 में 10431 लोगों को एक अरब 64 करोड़ 94 लाख 17 हजार 732 रुपए की मदद दी गई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

डेंगू का प्रकोप और लचर तंत्र

उत्तर प्रदेश में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक सात हजार से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। प्रदेश के बीस जिलों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहीं इसकी रोकथाम और बचाव के लिए न तो नगर निगम और नगर पलिकाएं गंभीर दिख रही हैं न ही सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समुचित इलाज मिल पा रहा है। तमाम अस्पतालों में बेड और दवाओं का टोटा पड़ा है। कई अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी से हालत और भी गंभीर हो गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की फटकार के बाद भी अधिकारियों पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। सवाल यह है कि प्रदेश में डेंगू का प्रकोप लगातार क्यों बढ़ रहा है? समय रहते मच्छरों की रोकथाम के लिए जरूरी उपाय क्यों नहीं किए गए? सरकार के आदेश के बावजूद अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं हो सकी? हाईकोर्ट की फटकार के बावजूद हालात में सुधार क्यों नहीं हो सका? लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

हर साल सर्दियों की दस्तक के साथ प्रदेश में डेंगू का प्रकोप होता है। डेंगू एडीज मच्छर के काटने के कारण होता है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर रोगी की मौत भी हो जाती है। अभी तक कई लोगों की मौत डेंगू के कारण हो चुकी है और यह रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। वहीं लापरवाही का आलम यह है कि नगर निगम और नगर पालिकाएं हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं। डेंगू मच्छरों की रोकथाम के लिए न फॉगिंग की जा रही है न एंटी लार्वा दवा का छिड़काव ही किया जा रहा है। राजधानी लखनऊ में जब यह हाल है तो प्रदेश के दूसरे शहरों की हालत का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब है जब सरकार इसकी रोकथाम के लिए कई बार आदेश जारी कर चुकी है। डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर हाईकोर्ट ने केवल सरकार को तलब कर चुका है बल्कि फटकार भी लगा चुका है। यही हाल सरकारी अस्पतालों का है। कई अस्पतालों में मरीजों को बेड और दवाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। चिकित्सकों की कमी ने हालात को और भी बिगाड़ दिया है। जाहिर है प्रदेश में डेंगू का प्रकोप इसलिए बढ़ता जा रहा है कि क्योंकि सरकारी तंत्र ने घोर लापरवाही बरती। यदि समय पर फॉगिंग और दवाओं का छिड़काव हुआ होता तो स्थितियां नियंत्रित रहती। यदि सरकार वाकई डेंगू के प्रकोप को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे तत्काल मच्छरों की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे साथ ही लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा अस्पतालों की व्यवस्था को तत्काल सुधारना होगा अन्यथा स्थितियां विस्फोटक हो जाएंगी।

उत्तर प्रदेश में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक सात हजार से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। प्रदेश के बीस जिलों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहीं इसकी रोकथाम और बचाव के लिए न तो नगर निगम और नगर पलिकाएं गंभीर दिख रही हैं न ही सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समुचित इलाज मिल पा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आप की एंट्री से रोचक मुकाबले के आसार

अशोक उपाध्याय

गुजरात विधान सभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है। एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा। यह भी कि गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणाम एक साथ आठ दिसंबर को घोषित होंगे। खास बात यह कि हर बार की तरह इस बार चुनाव में सिर्फ कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला नहीं होगा। इस बार आम आदमी पार्टी (आप) भी अपनी किस्मत आजमाने जा रही है। अब तक के चुनावी इतिहास को देखें तो मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता रहा है और यहां के स्थानीय मुद्दे ही चुनावों में ज्यादातर हावी रहे हैं।

गुजरात का यह चुनाव भाजपा के लिए काफी अहम है। वजह एक ही है, गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है। भाजपा इस समय केंद्र और गुजरात में सत्ता में हैं और यहां भी उसका नारा डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को लेकर आगे बढ़ रहा है। वह सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है। चुनाव घोषणा के तुरंत बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि गुजरात में फिर से डबल इंजन की सरकार बनेगी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सत्ता में वापसी की लेकिन पंजाब के नतीजों ने राजनीतिक समीकरणों पर फिर से गौर करने पर बाध्य कर दिया। आम आदमी पार्टी को पंजाब में मिली सफलता ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के अस्तित्व को ही चुनौती दे दी है। अब गुजरात में आप, भाजपा को चुनौती देने के लिये ताल ठोंक रही है। दिल्ली विधानसभा में आप पहले से ही काबिज है और पंजाब की जीत ने उसका मनोबल बढ़ा दिया है। वहीं इस बार गुजरात में आप के प्रवेश ने गुजरात चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। आप वहां करो या मरो की मुद्रा में चुनाव लड़ रही है। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात चुनाव की घोषणा होते ही गुजरात की जनता से आप को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि अगर वे उनको एक मौका देंगे तो वे बिजली, शिक्षा और मुफ्त तीर्थयात्रा की सुविधा देंगे। उन्होंने कांग्रेस के साथ ही भाजपा के हिंदू वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है।

केजरीवाल की रुपये के एक तरफ गणेश-लक्ष्मी की तस्वीर लगाने की मांग को कुछ ऐसे ही देखा जा रहा है। चुनाव प्रचार में भाजपा और आप ने पहले से ताकत झोंक रखी है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के गुजरात दौरे लगातार हो रहे हैं और वे राज्य में

विकास एवं स्थिरता को बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिना रहे हैं। लेकिन मोरबी हादसे को लेकर विपक्ष हमलावर है। गुजरात विधान सभा में सीटों के लिहाज से आप का इस राज्य में अभी कोई वजूद नहीं है लेकिन जिस तरह से उसके नेता अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में मिली आशातीत सफलता को भुनाने के लिये गुजरात का लगातार दौरा किया है, उससे साफ है कि वह पंजाब की तरह वहां भी अपनी पार्टी को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। जब से नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री बने तब से लेकर अब तक भाजपा गुजरात में एक भी चुनाव नहीं हारी है। नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा लगातार तीन बार विधान सभा चुनाव जीत चुकी है और लोकसभा चुनावों में भी वह गुजरात में अव्वल साबित हुई है। गुजरात में कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और पिछले विधान सभा चुनावों में उसने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। गुजरात की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों से पिछड़ी जाति और पाटीदार समुदाय के नेता के रूप में हार्दिक पटेल का नया नाम उभरा। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हार्दिक पटेल ने 2015 में पाटीदार समुदाय के हितों की लड़ाई तेज की। उन्होंने भाजपा के लिये नई चुनौतियां खड़ी कीं और इसका फायदा उठा कांग्रेस ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। कांग्रेस हाईकमान के हार्दिक को तवज्जो देने से गुजरात में बाकी कांग्रेस नेता नाराज हो गये थे। गुजरात के कद्दावर नेता अहमद पटेल के निधन के बाद राज्य में कांग्रेस को संगठित रखने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। कांग्रेस हार्दिक के बूते गुजरात में स्थिति मजबूत करने को लेकर आश्वस्त थी लेकिन उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है। कांग्रेस के लिये यह बड़ा झटका था और तब से गुजरात में पार्टी अपने सांगठनिक ढांचे को लेकर जूझ रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की कमान संभाल ली है। वह कांग्रेस की सांगठनिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कयास लगने लगे हैं कि वहां भी कांग्रेस के लिये पंजाब वाली स्थिति न हो जाये। दरअसल, कांग्रेस की ओर से अभी तक प्रभावी प्रचार देखने को नहीं मिला है। गुजरात को भाजपा का गढ़ समझा जाता है लेकिन कांग्रेस की आंतरिक चुनौतियों और आप के बढ़े हुए उत्साह ने इस चुनाव को पहली बार त्रिकोणीय बना दिया है।

नेतन्याहू की चुनौतीभरी एक और पारी

पुष्परंजन

पूर्वाग्रह अनुमान आधारित होता है। प्रधानमंत्री के प्रिय नेताओं को लेकर एक धारणा बन गई थी कि उनके कई करीबी मित्रों की सत्ता चली गयी। नेतन्याहू, ट्रंप से लेकर शिंजो आबे तक तमाम नाम उस सूची में रहे हैं। जब ये खबर आई कि इस्राइली चुनाव में बीबी निक नेम से मशहूर बेंजमिन नेतन्याहू जीत रहे हैं तो सबसे पहले यही बात समझ में आई कि पूर्वाग्रहों की आयु लंबी नहीं होती है। मगर, उसके पलटवार में मोदी के शैदाई कहने लगे हैं कि नेतन्याहू की सत्ता में वापसी हुई है तो ट्रंप भी भारी बहुमत से लौटेंगे। इस परिणाम से सबसे अधिक कोई प्रफुल्लित है तो वह हैं प्रधानमंत्री मोदी। मोदी और बीबी की जोड़ी विश्वविख्यात रही है। 2 जून, 2021 में जब इस्राइल में आम चुनाव हो रहा था, बेंजमिन नेतन्याहू ने अहद किया था कि जीतते ही भारत का दौरा करूंगा। यह अरमान उन दिनों परवान नहीं चढ़ पाया था। यों, 14 जनवरी, 2018 को छह दिनों की यात्रा पर नेतन्याहू दिल्ली आये थे। 2003 के बाद किसी इस्राइली प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा थी। पिछले आठ वर्षों में दोनों देशों के बीच दक्षिणपंथी विचारधारा के स्तर पर 'पीपुल टू पीपुल कान्टेक्ट' काफी हुआ, उभयपक्षीय रणनीतिक हिस्सेदारी में भी तेजी आई।

2 जून, 2021 के बाद जो परिणाम आये, उसमें आठ घटक दलों की सरकार इस्राइल में बनी। सहयोगी दलों के शिखर नेताओं ने बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनने का फार्मूला स्वीकार किया था। नई सरकार में यामिना पार्टी के प्रमुख, नेफ्ताली बेनेट को सितंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री पद संभालना था, उसके बाद याइर लापिड नवंबर, 2025 तक पीएम की जिम्मेदारी देखते। यह फार्मूला उस समय भी व्यावहारिक रूप से सफल होता नहीं दिख रहा था। 13 जून, 2021 को नेफ्ताली बेनेट प्रधानमंत्री बने, मगर 30 जून, 2022 तक ही सरकार चला पाये।

6 जून, 2022 को वेस्ट बैंक वाले इलाके में जमीन-मकान के मामले में यहूदियों को फायदा पहुंचाने वाले 'सेटलर लॉ' को विस्तार देने संबंधी प्रस्ताव 58 और 52 के अंतर से संसद में गिर गया। तब गठबंधन में शामिल अरब राम पार्टी के दो सांसद और वामपंथी मेरेत्ज पार्टी के एक सांसद ने प्रस्ताव के विरुद्ध वोट किये थे। यदि इस पर वहां की संसद, 'क्नेसेट' की मुहर लग जाती, तो लगभग पांच लाख इस्राइली मूल के लोगों को लाभ पहुंचता। वेस्ट बैंक और पूर्वी जेरूसलम में 250 ऐसे सेटलमेंट हैं, जहां 6 लाख 83 हजार 553 लोग आशियाना स्थाई करने के वास्ते सत्तर के दशक से लड़ाई लड़ रहे हैं। फिलस्तीनी पक्ष का कहना है कि इन लोगों का कब्जा ही अवैध है। इस्राइल की राजनीति में आशियाना और आबोदाना बड़ा मुद्दा रहा है, जो वहां की दक्षिणपंथी विचारधारा के लिए ईंधन का काम करता है। यों, 6 अप्रैल, 2022 को ही सेक्युलर गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई, जब यामिना पार्टी की सांसद इदित सिलमन ने अपने को सरकार से अलग कर लिया। वेस्ट बैंक में फिलस्तीनियों को मारने और अल अक्सा मस्जिद परिसर में कहर ढाने के कारण यूनाइटेड अरब लिस्ट जैसी पार्टी ने भी गठबंधन से हाथ खड़े कर दिये। संसद में कई विधेयकों के पास नहीं होने से आजिज आकर तब के प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट ने 20 जून को संसद (क्नेसेट) भंग करने का प्रस्ताव रख दिया था। यह प्रस्ताव 30 जून को अनुमोदित हो गया और 1 जुलाई, 2022 को चुनाव तक याइर लापिड को कार्यकारी प्रधानमंत्री बने रहने की जिम्मेदारी सौंप दी गई। याइर लापिड ने 2012 में इस्राइल की मध्यमार्गी पार्टी 'यश आतिद' का गठन किया था। याइर लापिड की पार्टी, 'यश आतिद' को सेक्युलर मिडल क्लास के पैरोकार के रूप में पहचान मिली है। कहने को इस्राइल में सेक्युलर सरकार चल रही थी, दरअसल पहले राउंड में सत्ता की कमान उस व्यक्ति के हाथों में दी गई थी, जिसका अतीत बताता है कि वह बेंजमिन नेतन्याहू से चार कदम अधिक धुर दक्षिणपंथी रहा है। न्यू राइट पार्टी के नेता नेफ्ताली बेनेट कभी बेंजमिन नेतन्याहू के काफी करीबी माने जाते थे। 2013 से 2019 तक वे डायसपोरा मामलों के मंत्री रहे, उसके प्रकारांतर 2020 तक नेफ्ताली ने प्रतिरक्षा मंत्रालय भी संभाला था। यह इंसान प्रधानमंत्री के रूप में सभी दल-जमात के लोगों को लेकर सरकार चला लेगा, इसे लेकर पहले दिन से ही विश्लेषक शक करने लगे थे। गुरुवार देर रात जो चुनाव परिणाम आये, उसे देखकर हम यह भी नहीं कह सकते कि नेतन्याहू कैंप को 'लैंड स्लाइड विक्टरी' मिली है। 120 सीटों वाली संसद 'क्नेसेट' में लीकुड, यहूदीवादी शास और यूनाइटेड तोराह जूडिजम जैसे दक्षिणपंथी गठबंधन को 64 सीटें हासिल हुई हैं। यानी प्रतिपक्ष केवल चार सीटों से पीछे रहा है। इस्राइल की 65 सदस्यीय नई गठबंधन सरकार में 40 ऐसे सांसद नजर आयेंगे, जो रूढ़िवादी यहूदी हैं। इस चुनाव में सबसे बड़ा नुकसान महिला प्रतिनिधियों का हुआ है। 65 सीटों की गठबंधन सरकार में महिला सांसद केवल 12.31 फीसद होंगी, यह वहां के सभ्य से दिखने वाले समाज पर सवाल खड़े करता है। नेतन्याहू सत्ता में लौटने के बाद एक बार फिर भारत आएंगे। 1992 में जो उभयपक्षीय व्यापार 20 करोड़ डॉलर का था, 2021-22 में बढ़कर 7 अरब 86 करोड़ डॉलर का हो चुका है। बीबी और मोदी की जोड़ी इसे और आगे बढ़ायेगी, निश्चिंत रहिये।

साल का आखिरी चन्द्रग्रहण कल

इन राशियों के लोग रहें सावधान

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण कार्तिक मास की पूर्णिमा यानि 8 नवंबर को लगेगा। यह भारत में आंशिक सहित कई देशों में देखा जा सकेगा। सूतक सुबह आठ बजकर बीस मिनट से लग जाएंगे। इस दौरान धार्मिक अथवा शुभ कार्य नहीं हो सकेंगे। कई राशि वालों पर भी इसके प्रभाव की संभावना है। हरि ज्योतिष संस्थान के ज्योतिर्विद पंडित सुरेंद्र शर्मा एवं आरपीएम मंदिर के पुजारी एवं ज्योतिषाचार्य केशव दत्त जोशी ने बताया यह चंद्र ग्रहण भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2 बजकर 41 बजे शुरू होगा और सायं 6 बजकर 18 मिनट पर मोक्ष होगा। भारत में यह शाम 5 बजकर 32 मिनट से शाम 6 बजकर 18 मिनट तक ही नजर आएगा। उन्होंने बताया ग्रहण से पहले सुबह 8 बजकर 20 मिनट से सूतक शुरू हो जाएंगे। साल का आखिरी चंद्र ग्रहण मेष राशि में लगेगा। इसका वृष, मिथुन, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि पर अधिक असर रहेगा। इन राशि वालों को संभल कर रहना होगा। इन्हें सेहत, आर्थिक, करियर और कारोबार पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

इस राशि और नक्षत्र में लगेगा

ज्योतिष गणना के मुताबिक साल का यह चंद्र ग्रहण 08 नवंबर 2022 को मेष राशि और भरणी नक्षत्र में लगेगा। मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं और इस दिन ये तीसरे भाव में वक्री अवस्था में रहेंगे। इसके अलावा चंद्रमा राहु के साथ मौजूद होंगे और सूर्य केतु,शुक्र और बुध के साथ स्थित होंगे। देवगुरु बृहस्पति अपनी स्वयं की राशि मीन और शनिदेव भी अपनी स्वयं की राशि मकर में विराजमान रहेंगे।

चंद्र ग्रहण कब है?

साल 2022 का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण भारतीय समय के अनुसार 8 नवंबर को शाम करीब 5 बजकर 32 मिनट से शुरू होगा और शाम 7 बजकर 27 मिनट तक रहेगा।

सूतक काल

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, चंद्र ग्रहण के दौरान सूतक काल का समय ग्रहण के शुरू होने के 9 घंटे पहले लग जाता है। ये चंद्र ग्रहण भारत के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। इसलिए चंद्र ग्रहण का सूतक काल मान्य होगा।

कहां-कहां नजर आएगा

साल 2022 का आखिरी चंद्र ग्रहण भारत समेत कई एशियाई द्वीपों, दक्षिण/ पूर्वी यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी व दक्षिण अमेरिका, पेसिफिक अटलांटिक और हिंद महासागर में दिखाई दे सकता है।

चंद्र ग्रहण पर ग्रहों की चाल

चंद्र ग्रहण के दिन ग्रहों के सेना पति मंगल, शनि, सूर्य राहु आमने-सामने होंगे। ऐसे में भारत की कुंडली में तुला राशि पर सूर्य, चंद्रमा, बुध और शुक्र की युति बन रही है। इसके अलावा शनि कुंभ राशि में पंचम और मिथुन राशि में नवम भाव पर मंगल की युति विनाश कारी योग बना रही है। चंद्र ग्रहण का ऐसा संयोग बहुत ही अशुभकारी माना जा रहा है।

क्या करें और क्या न करें?

08 नवंबर को साल का आखिरी ग्रहण होगा। कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा इस कारण से इसका सूतक काल मान्य होगा। ऐसे में ग्रहण के लगने के 09 घंटे पहले से सूतक काल लग जाएगा। शास्त्रों में सूतक काल को अशुभ माना गया है इसलिए सूतक लगने पर पूजा-पाठ,धार्मिक अनुष्ठान और शुभ काम नहीं किए जाते हैं। मंदिर के पट बंद दो जाते हैं। ग्रहण में न तो खाना पकाया जाता है और न ही खाना खाया जाता है। ग्रहण के दौरान मंत्रों का जाप और ग्रहण के बाद गंगाजल से स्नान और दान किया जाता है। ग्रहण की समाप्ति होने पर पूरे घर में गंगाजल से छिड़काव किया जाता है।

हंसना मना है

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं
कंडक्टर: अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

पप्पू: सबसे शुद्ध माल अपने कस्टमर को कौन बेचता है? गप्पू: बिजली विभाग। पप्पू: वो कैसे? गप्पू: हाथ लगाकर देख ,पता चल जाएगा।

मास्टर जी: अगर नदी में नींबू का पेड़ है, तो नींबू कैसे तोड़ेंगे? चिंटू: चिड़िया बनकर। मास्टर जी: नालायक, तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा? चिंटू : वही, जिसने नदी में नींबू का पेड़ लगाया होगा। चिंटू का जवाब सुनकर मास्टर जी बेहोश हो गए।

संता दांत निकलवाने डॉक्टर के पास गया
संता: डॉक्टर साहब मेरे से कुछ खाया पिया नहीं जाता। डॉक्टर: क्यों? संता: मेरे दांत में कीड़ा लगा है इसे निकाल दीजिये डॉक्टर: ठीक है मैं दवाई देता है। संता: उफ्फ इस दांत दर्द से तो मर जाना बेहतर है डॉक्टर- Confirm बताओ फिर मैं उसी हिसाब से दवाई लिखूं।

महिला : बहन जरा अपना बेलन देना, मेरे पति अभी-अभी घर लौटे हैं, पड़ोस वाली दूसरी महिला : ले जाओ बहन लेकिन जल्दी लौटा देना। मेरे पति भी आने ही वाले हैं.... गलत मत सोचिए जी, ये दोनों महिलाएं अपने पति को ताजा और गर्म रोटियां खिलाती हैं.सोच बदलो, तभी देश बदलेगा।

कहानी — असली माँ भी अब मौसी लगे

एक 20-22 साल का नौजवान सुपर मार्केट में दाखिल हुआ । कुछ ख़रीदारी कर ही रहा था कि उसे महसूस हुआ कि कोई औरत उसका पीछा कर रही है । मगर उसने अपना शक समझते हुए नज़रअंदाज़ किया और ख़रीदारी में मसरूफ हो गया । लेकिन वह औरत लगातार उसका पीछा कर रही थी, अबकी बार उस नौजवान से रहा न गया । वह अचानक उस औरत की तरफ मुड़ा और पूछा, माँ जी खैरियत है ? औरत बोली बेटा आपकी शक्ल मेरे मरहूम बेटे से बहुत ज्यादा मिलती जुलती है । मैं ना चाहते हुए भी आपको अपना बेटा समझते हुए आपके पीछे चल पड़ी, और आप ने मुझे माँ जी कहा तो मेरे दिल के जज्बात और खुशी बयां करने लायक नही। औरत ने यह कहा और उसकी आँखों से आँसू बहने शुरू हो गये। नौजवान कहता है कोई बात नहीं माँ जी आप मुझे अपना बेटा ही समझें। वह औरत बोली कि बेटा क्या आप मुझे एक बार फिर माँ जी कहोगे नौजवान ने ऊँची आवाज़ से कहा, जी माँ जी पर उस औरत ने ऐसा बर्ताव किया जैसे उसने सुना ही ना हो, नौजवान ने फिर ऊंची आवाज़ में कहा जी माँ जी.... । औरत ने सुना और नौजवान के दोनों हाथ पकड़ कर चूमे , अपने आंखों से लगाऐ और रोते हुए वहां से रुखसत हो गई। नौजवान उस मंज़र को देख कर अपने आप पर काबू नहीं कर सका और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, वह अपनी खरीदारी पूरी करे बगैर ही वापस चल दिया। काउंटर पर पहुँचा तो कैशियर ने दस हज़ार का बिल थमा दिया.... नौजवान ने पूछा दस हज़ार कैसे ? कैशियर ने कहा आठ सौ का बिल आपका है । और नौ हजार दो सौ का आपकी माँ के हैं, जिन्हें आप अभी माँ जी माँ जी कह रहे थे। वह दिन और आज का दिन, नौजवान अपनी असली मां को भी मौसी कहता है।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। कुछ खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं।

वृषभ

आज आपका दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें सफल जरुर होंगे। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का अवसर भी आपको मिलेगा।

मिथुन

हनुमान जी की कृपा से आपके बिगड़े हुए काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज का दिन आपके लिए लाभकारी रहेगा। कोई अच्छी खबर आपको मिल सकती है।

कर्क

आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। किसी से अचानक हुई रुमानी मुलाकात आपका दिन बना देगी।

सिंह

आज आपका दिन पहले से थोड़ा बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश कर पाएंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है, नियमित व्यायाम करते रहिए।

कन्या

कन्या राशि वालों के संबंध धीरे-धीरे मजबूती की तरफ रहेंगे। जिससे आप संबंधों में मधुरता को बनाने व विश्वास बढ़ाने में सक्षम रहेंगे। सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

तुला

जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। मुमकिन है कि घर में आपको अपने बेपरवाह रवैये की वजह से आलोचना का सामना करना पड़े।

वृश्चिक

आज किसी से ऊँची आवाज में बात ना करें। संयम और धैर्य से काम करें। आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है। आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी होगी।

धनु

इस समय के दौरान आपको आपके जीवन साथी से अटूट प्रेम की प्राप्ति होगी। आप लोगों की भलाई के लिए कोई काम करेंगे तो कहीं न कहीं आपको ही बड़ा फायदा हो सकता है।

मकर

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज के दिन परिवार का कोई सदस्य अगर आपको कुछ ज्यादा ही तनाव दे, तो हालात बेकाबू होने से पहले उसकी सीमा तय कर दें।

कुम्भ

आपके पास कोई प्रेम प्रस्ताव भी आ सकता है। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन

आज मीन राशि वाले नए कारोबार में संभल कर और सतर्कता से काम करें। पारिवारिक विवाद संभव है। सोच-विचार के लिए समय जरूर निकालें। काम के सिलसिले में कहीं जाना भी पड़ सकता है।

रिलीज के कुछ घंटों बाद ही लीक हुई फिल्म मिली

जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली 4 नवम्बर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है। फिल्म में जाह्नवी कपूर की एक्टिंग की काफी तारीफ की जा रही है। काफी लंबे समय बाद जाह्नवी कपूर की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है। फिल्म को रिव्यू भी अच्छे मिले हैं। ऐसे में मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म अच्छा बिजनेस कर सकती हैं। फिल्म का सारा भार जाह्नवी के कंधों पर है। ऐसे में फिल्म रिलीज होने के कुछ घंटे बाद ही ऑन लाइन लीक हो गई है। जाह्नवी कपूर की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने के कुछ ही घंटों बाद ऑन लाइन लीक हो गई है। ऑन लाइन फिल्म लीक की वजह से फिल्म की कमाई पर काफी असर पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जाह्नवी कपूर स्टारर मिली को तमिलरॉकर्स, फिल्मीजिला और टोरेंट जैसी वेबसाइट्स पर लीक हो चुकी है। इन वेबसाइट्स पर लोग मिली फिल्म को डाउनलोड कर रहे हैं। लोग घर में फ्री में फिल्म देखेंगे ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कम टिकट बिकेंगे। मिली एक लड़की कहानी है जो अपने पिता के साथ रहती है। वह अपने पिता से बेहद प्यार करती है दोनों के बीच पिता-बेटी नहीं बल्कि दोस्त जैसा रिश्ता है। मिली ने देहरादून में बीएससी नर्सिंग कोर्स किया है। काम के लिए वह कनाडा जाना जाती है। लेकिन वह फिलहाल अपने ही शहर में काम कर रही होती है। वह एक रोस्टोरेंट में नौकरी करती है। फिल्म की कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब अचानक एक रात को रेस्टोरेंट से निकलते समय मैनेजर गलती से मिली को फ्रीजर रूम को बंद कर देता है। इस घटना से पहले मिली की उसके पिता से लड़ाई हो चुकी होती है ऐसे में मिली देर रात तक घर वापस नहीं आती है। पिता परेशान होकर पुलिस के पास जाता है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि मिली 5 घंटे बर्फ जैसी जगह पर कैसे बिताएगी यहां से कहानी की शुरूआत होती है।

बिपाशा बसु का मेटरनिटी फोटोशूट देख बौखलाए लोग

प्रेग्नेंसी का मजाक बनाकर रख दिया

बिपाशा बसु इन दिनों प्रेग्नेंसी इंजॉय कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में मेटरनिटी फोटोशूट कराया। वो गाउन पहनकर बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं, लेकिन उन्होंने जैसे ही अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की, वो ट्रोल होने लगीं। कुछ लोगों को उनका ये बोल्ड अंदाज पसंद नहीं आ रहा है। वे एक्ट्रेस को खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। बिपाशा बसु ने कुछ घंटे पहले इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो शेयर की। गोल्डन गाउन पहन एक्ट्रेस बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी साफ दिख रहा है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, हर समय खुद से प्यार करो। उस शरीर से प्यार करो जिसमें तुम रहते हो। 43 साल की बिपाशा के इस पोस्ट पर उनके पति करण सिंह ग्रोवर ने कॉमेंट किया, मैं उस बॉडी से प्यार करता हूं, जिसमें तुम हो। मैं तुमसे हर समय प्यार करता हूं। करण के अलावा आरती सिंह सहित तमाम सिलेब्स ने एक्ट्रेस पर प्यार लुटाया है। उनके फैंस को भी ये फोटोशूट पसंद आ रहा है, लेकिन कुछ लोग हैं, जो इसका विरोध कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने बिपाशा के पोस्ट पर कॉमेंट कर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक ने लिखा, इतनी बेशर्म औरत लग रही हो... तुम एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी को मजाक बना कर रखा है। ऐसे फोटोशूट कराते हो कि प्रेग्नेंट औरत भी शर्मा जाएगी। इससे पहले टीवी एक्ट्रेस देबिना बनर्जी ने भी मेटरनिटी फोटोशूट कराया था और उसका वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

सरगुन मेहता ने खोले इंडस्ट्री के काले राज

अपनी दमदार एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली पंजाबी अभिनेत्री और निर्माता सरगुन मेहता लाइम लाइट में छाई रहती हैं। टीवी शोज से करियर की शुरुआत कर पंजाबी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार सरगुन मेहता कई हिट पंजाबी फिल्म्स में नजर आ चुकी हैं। हर मुद्दे पर बेबाकी से राय रखने वाली एक्ट्रेस ने पुरुष वादी इंडस्ट्री के कई राज खोले और बताया कि कैसे इंडस्ट्री में उन्हें लड़की होने की वजह से स्ट्रगल करना पड़ा है। सरगुन मेहता ने मीडिया से पुरुष वादी इंडस्ट्री में काम करने को लेकर बात की। सरगुन ने कहा, एक औरत होने के नाते उस इंडस्ट्री में काम करना जो आदमियों के बनाए रूल्स से चलती है, बेहद कठिन होता है। आपको और आपके काम को हल्के में लिया जाता है, लेकिन मैं इसे हमेशा पॉजिटिव लेने की कोशिश करती हूं। लोगों को लगता है कि मैं कुछ नहीं जानती। वह सब मुझे बहला लेंगे, लेकिन हर मैं उन्हें सरप्राइज कर देती हूं। सभी को लगता है कि वह मुझे राइड पर लेकर जा सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। सरगुन ने आगे बताया कि मेरा मानना है कि आपको अपने वीक प्वाइंट को अपनी ताकत बना लेना चाहिए। इसलिए जब वे आपको हल्के में लें, तो आप उन्हें मजा चखा दो। सरगुम ने यह भी बताया कि मेल एक्टर्स के लिए भी चीजें ऐसी ही हैं। बस एक अलग तरीके से हो सकता है, लेकिन उन्हें भी रास्ते में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसका कारण बस इथना है कि लोग आपको जीतते हुए नहीं देख सकते हैं।

एक जिस्म दो जान हैं ये बहनें, हर परिस्थिति में रहती हैं साथ पर डेटिंग में हो जाती है तकरार!

प्रकृति भी इंसानों को कई बार ऐसी विशेषताएं दे देती है जो उन्हें दुनिया में खास तो बना देती है पर उनकी जिंदगी मुश्किल कर देती है। आपने जुड़वां लोगों को तो जरूर देखा होगा, ये उनकी एक विशेषता है जो लोगों को हैरान कर देती है। हालांकि, सिर्फ एक जैसा चेहरा होने से उन्हें ज्यादा समस्या नहीं होती। पर उन लोगों का सोचिए जो एक जैसी शक्ल ही नहीं, एक ही शरीर को भी बांटते हैं। अमेरिका की रहने वाली दो बहनों के साथ भी ऐसा ही है जो दो जान तो हैं, पर एक जिस्म भी हैं। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार कार्मेन और लूपिटा एंड्राडे 21 साल की हैं और दोनों का जन्म मेक्सिको में हुआ था मगर अब दोनों अमेरिका के कनेक्टिकट में रहती हैं। जब वो साल 2002 में पैदा हुईं तो डॉक्टरों ने कहा कि वो सिर्फ 3 ही दिनों तक जिंदा रह पाएंगी। उसका कारण ये है कि दोनों बहनें शरीर के ऊपरी हिस्से, यानी सीने से लेकर पेट तक एक दूसरे से जुड़ी हुई पैदा हुई थीं। डॉक्टरों ने तब कहा था कि अगर उनको अलग किया जाता है तो या तो उनकी मौत हो जाएगी या फिर कई सालों तक उन्हें चिकित्सा की जरूरत पड़ेगी। तब उनके माता पिता ने उनके साथ जुड़े रहने का फैसला किया। उनके दो सिर, दो हाथ हैं मगर पैर एक ही है। कार्मेन दायां पैर कंट्रोल करती हैं जबकि लूपिटा बायां कंट्रोल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों बचपन से ही साथ रही हैं इसलिए डेटिंग भी साथ में ही करनी पड़ती है। हालांकि, लूपिटा के अंदर रोमैंस की भावना नहीं पैदा होती है इसलिए वो डेटिंग से दूर रहती हैं पर कार्मेन डेढ़ सालों से एक रिलेशनशिप में थीं। उन्होंने बताया कि उनका पार्टनर उनका खास दोस्त भी है, हालांकि उनके बीच वैसे इंटिमेट रिश्ते नहीं हैं जैसे अन्य कपल के बीच होते हैं। दोनों बहनों में डेटिंग को लेकर तकरार हो जाता है। कार्मेन ने कहा कि उनके दिमाग में शादी करना तो नहीं है पर वो किसी एक शख्स के साथ लाइफ पार्टनर के तौर पर सारी जिंदगी रहना चाहती हैं। बहनों ने कहा कि कई बार लोग उन्हें ये कहकर चिढ़ाते हैं कि जो भी उनमें से किसी एक के साथ रिलेशनशिप में होगा।

अजब-गजब | आपसे जुड़े वो सवाल जिनके जवाब आप जानना चाहते थे!

रोते वक्त आंसू, सोते समय सपने क्यों आते हैं ?

दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। पहले वो जो दुनिया की हर चीज को वैसे ही अपना लेते हैं जैसे वो होती हैं, उनके बारे में जानने-समझने में उनको बिल्कुल भी रुचि नहीं होती है, और दूसरे वो लोग जो दुनिया से लेकर खुद के अस्तित्व के बारे में सब कुछ जान लेना चाहते हैं। ऐसे लोगों के मन में आने वाले सवाल यूं तो आम होते हैं पर उनके जवाब उतने आसान नहीं होते. आज हम उन जैसे तमाम लोगों को ऐसे 9 सवालों के जवाब देंगे जो उनके दिमाग में हमेशा आते हैं पर वो उसका जवाब नहीं जानते। अगर आप पहले टाइप के हैं, तो आपको भी इन सवालों के जवाब पढ़ लेने चाहिए क्योंकि यकीन मानिए, ये सवाल बेहद आम पर जवाब से बेहद खास हैं।

डेजा वू एक फ्रेंच शब्द है जिसका अर्थ है पहले भी देखा हुआ। जो लोग इस एहसास को मेहसूस करते हैं, उनका दावा है कि कोई घटना वो पहले भी अनुभव कर चुके हैं जबकि वो उनके साथ पहली ही बार घट रही है। डेजा वू दिमाग के टेंपोरल लोब में होता है। ये भाग इमोशन प्रोसेस करने के लिए या फिर शॉर्ट टर्म मेमोरी के लिए होता है। जब इस लोब में सीजर यानी मस्तिष्क के विद्युत संकेतों में बदलाव आता है तब हम डेजा वू का अनुभव करते हैं। वैज्ञानिकों के पास अभी भी इतनी जानकारी नहीं है कि वो इसका सही अंदाजा लगा पाएं। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि दिमाग पहले से कुछ बातों और परिस्थितियों का अंदाजा लगा लेता है या फिर मन किसी भी अंजान घटना को लेकर एक रूपरेखा

तैयार कर लेता है। जब उसी से मिलती-जुलती कोई घटना होती है तो हमें लगता है कि ये पहले भी हो चुकी है। इंसान का दिमाग इस तरह से प्रोग्राम किया गया है कि वो चेहरे से ही चीजों का पता लगाता है और निर्जीव चीजों में चेहरे तलाशता है। इस प्रक्रिया को फेस पैरेडोलिया कहते हैं। इंसान अगर कोई सामान या निर्जीव चीज भूल जाए तो उसे उतना नुकसान नहीं होगा जितना किसी का चेहरा भूलने पर होगा। दिमाग के कई हिस्सों में ये प्रोसेसिंग होती है। इंसान एक सामाजिक प्राणी है और प्रकृति ने उसका दिमाग इस तरह डिजाइन किया है कि वो चेहरे हर वक्त प्रोसेस करता रहता है। हमारे शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर मौजूद बाल की ग्रोथ साइकिल अलग होती है। वो बनते हैं, बढ़ते हैं और फिर झड़ जाते हैं। शरीर के अन्य हिस्सों पर मौजूद बालों को उगने में समय लगता है। ऐसे में पैरों या हाथों के बाल की साइकिल, सिर के बालों से अलग होती है। आंसू 3 प्रकार के होते हैं। पहले हैं बेसल आंसू जो आपकी आंखों को गीला रखते हैं। दूसरे होते हैं रीफ्लेक्स आंसू जो आंखों में कुछ चले जाने के बाद निकलते हैं और तीसरे होते हैं साइकिक आंसू जो इमोशन्स दिखाने के लिए काम आते हैं। इन आंसुओं के बारे में वैज्ञानिक लंबे वक्त से रिसर्च कर रहे हैं। आंसू संचार का एक माध्यम है। दुखी होने पर जब आंसू निकलते हैं तो वो ये बताते हैं कि व्यक्ति दुखी है। इस सवाल का ठीक तरह से जवाब तो वैज्ञानिकों के पास भी नहीं है मगर बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार शोधकर्ताओं का मानना है कि सपनों के जरिए मुश्किलों से निपटता है और बचाव के तरीके खोजता है। वहीं कुछ वैज्ञानिकों का ये भी कहना है कि सपने हमें यादें बनाने और इमोशन्स को प्रोसेस करने में मदद करते हैं। वहीं कुछ का कहना है कि सपने हमारे दिमाग की उपज हैं जो नींद में भी एक्टिव रहता है और अलग-अलग अनुभवों को एक साथ मिलाकर दिखाता है। इसलिए सपनों का कोई अर्थ नहीं होता, वो सिर्फ वही दिखाते हैं जो दिमाग में चल रहा होता है। जब इंसान खड़ा रहता है तो शरीर में खून को गुरुत्वाकर्षण बल के खिलाफ जानकर नीचे से ऊपर, यानी दिमाग की ओर जाना पड़ता है। इसमें काफी मेहनत लगती है क्योंकि दिल और धमनियों को पर्याप्त खून दिमाग तक पहुंचाना पड़ता है जिससे दिमाग को ऑक्सीजन मिलता रहे। जब इंसान ज्यादा एक्सरसाइज करता है तो शरीर खून दिमाग की जगह मांपेशियों तक पहुंचाता है।

भाजपा ने कांग्रेस को पछाड़ा, आप भी रही टक्कर में

उपचुनाव : कोई 26 साल में विधायक बना तो कोई लंदन से आकर बन गया नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। इनमें चार पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। एक पर आरजेडी और एक पर शिवसेना उद्धव गुट के उम्मीदवार की जीत हुई। वहीं तेलंगाना में टीआरएस ने अपना दमखम दिखाया है। उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी बढ़त मिली है, जबकि कांग्रेस को दो सीटों का नुकसान उठाना पड़ा।

शिवसेना और आरजेडी अपनी सीटें बचाने में कामयाब रहे। जिन सात सीटों पर उप चुनाव हुए हैं उनमें से चार सीटें विधायकों के निधन की वजह से खाली हुई थीं। दो सीटें कांग्रेस विधायकों के इस्तीफा देने की वजह से खाली हुईं। इस्तीफा देने वाले दोनों विधायक अब भाजपा में हैं। इनमें से एक को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया तो दूसरे के बेटे को उस सीट से भाजपा ने उतारा। एक सीट राजद विधायक को सजा होने के बाद उन्हें अयोग्य ठहराए जाने से खाली हुई थी।

इन सीटों पर हुए थे उपचुनाव

उत्तर प्रदेश की गोला गोकर्णनाथ, बिहार की मोकामा और गोपालगंज, हरियाणा की आदमपुर, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट, ओडिशा की धामनगर और तेलंगाना की मुनुगोडे सीट पर उपचुनाव हुए थे। इनमें गोला गोकर्णनाथ, गोपालगंज, धामनगर और आदमपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी ने चुनाव जीता है। वहीं, बिहार की मोकामा सीट पर आरजेडी, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट पर शिवसेना उद्धव गुट के प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। तेलंगाना की मुनुगोडे सीट पर टीआरएस प्रत्याशी आगे हैं।

अमन गिरी

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में पड़ने वाले गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अमन गिरी ने जीत हासिल की है। 26 साल के अमन पिता अरविंद गिरी के निधन के बाद ही ये सीट खाली हुई थी। अमन के पास कुल 5.02 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इनमें 11 लाख रुपये की चल और चार करोड़ से ज्यादा की अचल संपत्ति शामिल है। अमन ने बीबीए करने के बाद हैदराबाद के आईसीएफएआई लॉ स्कूल से लॉ की पढ़ाई पूरी की है।

कुसुम देवी

बिहार के गोपालगंज सीट से भारतीय जनता पार्टी की कुसुम देवी ने जीत हासिल की है। ये सीट भाजपा विधायक सुभाष सिंह के निधन की वजह से खाली थी। इस सीट पर कुल नौ उम्मीदवार मैदान में थे। मुख्य मुकाबला भाजपा और राजद के बीच हुआ। भाजपा ने इस सीट से सुभाष सिंह की पत्नी कुसुम देवी को उतारा था। सुभाष 2005 से लगातार चार बार यहां से विधायक चुने जा चुके थे। वहीं, राजद ने मोहन प्रसाद गुप्ता को टिकट दिया था। 62 साल की कुसुम के पास कुल तीन करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। कुसुम केवल साक्षर हैं।

भव्य बिश्नोई

हरियाणा जिले के आदमपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई ने जीत हासिल की है। ये सीट भव्य के पिता कुलदीप बिश्नोई के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। कुलदीप कांग्रेस से विधायक थे। बाद में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। उपचुनाव में इस सीट से भाजपा ने कुलदीप के बेटे भव्य बिश्नोई को उम्मीदवार बनाया था। 29 साल के भव्य के पास 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। इनमें आठ करोड़ रुपये की चल और दो करोड़ रुपये से ज्यादा की अचल संपत्ति शामिल है। भव्य ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है।

ऋतुजा लटके

महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट सीट से शिवसेना उद्धव गुट की ऋतुजा लटके ने जीत हासिल की है। ये सीट शिवसेना के विधायक रहे रमेश लटके के निधन की वजह से खाली हुई थी। उपचुनाव में उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने यहां से रमेश लटके की पत्नी ऋतुजा लटके को उम्मीदवार बनाया था। वहीं, रमेश के परिवार को सहानुभूति दिखाते हुए भाजपा, मनसे, कांग्रेस, एनसीपी जैसी बड़ी पार्टियों ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। इसके चलते मुकाबला एकतरफा हो गया। निर्दलीय और कुछ छोटे दलों से कुल सात उम्मीदवार मैदान में थे। जिन्हें ऋतुजा ने हराकर जीत हासिल कर ली। 45 साल की ऋतुजा के पास कुल 9.23 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इसमें 69 लाख रुपये की चल और 8.54 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है।

नीलम देवी

बिहार के मोकामा सीट से आरजेडी की प्रत्याशी नीलम देवी की जीत हुई है। नीलम यहां से बाहुबली विधायक रहे अनंत सिंह की पत्नी है। अनंत सिंह को हाल ही में एक मामले में सजा मिली है। जिसके बाद उन्हें चुनाव आयोग ने अयोग्य ठहरा दिया था। इसके बाद ये सीट खाली हो गई थी। नीलम के पास कुल 17 लाख रुपये की संपत्ति है।

सूर्यबंशी सूरज

ओडिशा के धामनगर सीट से भारतीय जनता पार्टी के सूर्यबंशी सूरज ने जीत हासिल की है। ये सीट सूर्यबंशी के पिता विष्णु चरण सेठी के निधन की वजह से खाली हुई थी। उपचुनाव में भाजपा ने यहां से सेठी के बेटे सूर्यबंशी सूरज को उम्मीदवार बनाया था। सूरज ने इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड रिसर्च भुवनेश्वर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में भी काम किया।

बेईमानी से चुनाव जीतने में माहिर है भाजपा : टिकैत

» उपचुनाव पर कसा तंज, कहा- 26 नवंबर को करेंगे विधानसभा का घेराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। झलवा में आयोजित महापंचायत के पूर्व राकेश टिकैत भारतीय किसान यूनियन की ओर से आयोजित वाहन जुलूस में भी शामिल हुए। वाहन जुलूस पुरामुफ्ती से झलवा चौराहे तक आया। इस दौरान तमाम स्थानों पर उनका यूनियन कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने स्वागत किया।

राकेश टिकैत पर फूल बरसाए गए। उनके वाहन जुलूस की वजह से जीटी रोड पर लंबा जाम भी लग गया। झलवा पहुंचने के बाद टिकैत मीडिया से रूबरू हुए। यहां यूपी के गोला गोकर्णनाथ सीट के उपचुनाव में भाजपा को मिली जीत पर राकेश टिकैत ने कहा कि बेईमानी से कोई भी चुनाव जीत सकता है। सरकार इसी तरह से 2024 का लोकसभा चुनाव भी जीत जाएगी। कहा कि चुनाव आयोग से लेकर सारी जगह सरकार के ही अफसर हैं। ऐसे में इसे कौन हरा सकता है। कहा कि अब लखनऊ में एक बड़ा आंदोलन होगा। किसानों से जुड़े तमाम मुद्दों को लेकर 26 नवंबर को विधानसभा का घेराव होगा। इसमें प्रदेश भर के किसान शिरकत करेंगे।

काफी रोचक होगा 24 का चुनाव : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र व मऊ सदर विधानसभा सीट से विधायक अब्बास अंसारी की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। जहां प्रयागराज में आय से अधिक संपत्ति के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है। वहीं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने उन्हें पार्टी का नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी का नेता बताया।

उन्होंने कहा कि मऊ सदर से अब्बास अंसारी सुभासपा के सिंबल पर चुनाव जरूर लड़े, लेकिन वे समाजवादी पार्टी के नेता और प्रत्याशी थे। उन्होंने बताया कि गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने उन्हें 12 सीटें दी थी। जिनमें से एक अब्बास अंसारी का भी था । उन्होंने कहा कि सुभासपा 24 के लिए तैयारी में जुटी हुई है। कहा लोकसभा चुनाव काफी रोचक होने वाला है।

एआईएमआईएम की वजह से कई जगह कांग्रेस हारी

» आरजेडी-जेडीयू के बहकावे में नहीं आ रहे वोटर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गोपालगंज सीट भाजपा विधायक सुभाष सिंह के निधन की वजह से खाली हुई। इस सीट पर कुल नौ उम्मीदवार मैदान में थे। मुख्य मुकाबला भाजपा और राजद के बीच हुआ। भाजपा ने इस सीट से सुभाष सिंह की पत्नी कुसुम देवी को उतारा था। सुभाष 2005 से लगातार चार बार यहां से विधायक चुने जा चुके थे।

वहीं, राजद ने मोहन गुप्ता को टिकट दिया था। बसपा ने यहां से लालू यादव के साले साधू यादव की पत्नी इंदिरा यादव को टिकट दिया था। एआईएमआईएम ने भी अपना प्रत्याशी उतारा था। इस इलाके में काफी मुस्लिम वोटर्स भी हैं। इसके चलते भी मुकाबला काफी रोचक हो गया था। भाजपा की कुसुम देवी को 70,053 वोट मिले,

जबकि दूसरे नंबर पर रहे राजद के मोहन प्रसाद गुप्ता ने 68,259 मत हासिल किए। मोहन गुप्ता केवल 1,795 मतों से हार गए। अब आपको दूसरे प्रत्याशियों को मिले वोट के बारे में बताते हैं। एआईएमआईएम के प्रत्याशी अब्दुल सलाम को 12,214 वोट मिले। सलाम तीसरे नंबर पर रहे। वहीं, लालू यादव के साले साधू यादव की पत्नी इंदिरा यादव को कुल 8,854 वोट मिले। आंकड़े देखें तो अगर बसपा या फिर एआईएमआईएम में से कोई एक भी अपना प्रत्याशी नहीं उतारा होता तो आरजेडी-जेडीयू के संयुक्त प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता आसानी से जीत जाते।

प्रमोशन के बाद अब जिला पाने की जुगाड़ में अफसर

30 पीपीएस अधिकारियों का आईपीएस संवर्ग में हुआ है प्रमोशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रांतीय पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नत अफसर अब जिलों में तैनाती पाने की जुगाड़ में लग गए हैं। ज्यादातर अफसर जिलों में बतौर कप्तान तैनाती के इच्छुक बताए जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जिन 30 अफसरों का प्रमोशन हुआ है उसमें से कम से कम 12 अफसरों को अगले दो महीनों में जिलों की कमान सौंपी जा सकती है।

दरअसल, जिन पुलिस अफसरों का प्रमोशन हुआ है उनमें सिर्फ लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात अपर पुलिस उपायुक्त श्रवण कुमार सिंह, वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त प्रबल प्रताप सिंह, कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात बृजेश कुमार श्रीवास्तव और शिवाजी की फील्ड में तैनाती है। इसके अलावा बाकी अफसरों में कोई पीएसी में, भर्ती बोर्ड, विजिलेंस या अन्य गैर जनपदीय शाखा में तैनात है। प्रांतीय पुलिस सेवा से प्रमोशन पाकर आईपीएस बनने वाले 19 अफसरों के पास जिलों की कमान है। आम तौर पर कम से कम 33 प्रतिशत जिलों में राज्य पुलिस सेवा के अफसरों की तैनाती होती रही है। कुछ मौके ऐसे भी आए जब डायरेक्ट आईपीएस और प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों की संख्या जिलों में बतौर पुलिस कप्तान बराबर भी रही है। अब देखना है कि बड़ी संख्या में मिले राज्य पुलिस सेवा के अफसरों में से कितने को जिलों में तैनाती मिलती है।

कमिश्नरेट के पुनर्गठन को लेकर डीजीपी मुख्यालय लेगा फैसला

प्रदेश के तीन पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ, कानपुर नगर और वाराणसी के पुनर्गठन पर अंतिम निर्णय डीजीपी मुख्यालय लेगा। किस कमिश्नरेट का कौन सा थाना किस जोन में शामिल होगा, कहां-कहां जोन व सर्किल बढ़ेगी और मौजूदा एसपी लखनऊ ग्रामीण, एसपी वाराणसी ग्रामीण और एसपी कानपुर आउटर का क्या होगा? इस पर जल्द डीजीपी मुख्यालय निर्णय लेगा।

मैनपुरी व रामपुर के लिए सपा को नए सिरे से बनानी होगी रणनीति

» सपा के सामने कार्यकर्ताओं को हौसलामंद रखने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव में हार का सामना करने के बाद समाजवादी पार्टी की चुनौती बढ़ गई है। उसे मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी रणनीति में बदलाव कर कार्यकर्ताओं को हौसलामंद रखना होगा। क्योंकि मैनपुरी अभी तक उसका सबसे मजबूत किला है। विधानसभा उपचुनावों में सपा लगातार शिकस्त खा रही है। विधानसभा में धमाकेदार उपस्थिति बरकरार रखने के लिए पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजमगढ़ और आजम खां ने रामपुर से इस्तीफा दिया।

उपचुनाव में यह दोनों सीटें सपा के हाथ से निकल गईं। निश्चित तौर पर गोला विधानसभा क्षेत्र पर भाजपा का

पहले से कब्जा था, लेकिन यहां से सपा के हारने का असर सीधे मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा उपचुनाव पर पड़ेगा। पार्टी के ज्यादातर वरिष्ठ नेता यह दुहाई दे रहे हैं कि भाजपा ने छलबल से गोला सीट जीत ली है। यहां सपा को 90 हजार से अधिक मत मिले हैं, लेकिन निरंतर मिल रही हार से पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला टूटना स्वाभाविक है। ऐसे में राष्ट्रीय नेतृत्व को लगातार उपचुनावों में भी कमान संभालनी पड़ेगी। अभी तक का इतिहास यही रहा है कि वह उपचुनावों से पूरी तरह से दूर है, लेकिन हार मिले या जीत, दोनों में सेनापति के तौर पर मैदान में डटकर सामना करना पड़ेगा। क्योंकि उपचुनाव से दूरी यह संदेश दे रही है कि किसी न किसी रूप में पार्टी ने हथियार डाल दिए हैं। यदि शीर्ष नेतृत्व ने मैदान में उतर कर सेनापति की भूमिका निभाई तो मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद शोक संतप्त मैनपुरी में सहानुभूति की लहर सपा के पक्ष में जाना तय है।

तय नहीं हो सका उम्मीदवार

अखिलेश यादव शनिवार शाम से रविवार तक सैफई में रहे। इस दौरान परिवार के लोगों से बातचीत हुई। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के अलग-अलग लोगों से मुलाकात की और तैयारी में जुटने का आह्वान किया। लेकिन अभी प्रत्याशी पर फैसला नहीं हो सका है। परिवार से जुड़े ज्यादातर लोग तेज प्रताप यादव के नाम पर सहमत भी बताए जा रहे हैं, पर नाम की घोषणा से पहले शिवपाल सिंह यादव को भी मनाना बड़ा काम है।

पांच विभूतियों को मिलेगा उत्तराखंड गौरव पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» तीन को मरणोपरांत पुरस्कार के लिए किया चयनित

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड गौरव सम्मान पुरस्कार 2022 की घोषणा कर दी है। सरकार ने पांच अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पांच विभूतियों को पुरस्कार के लिए चुना है। जिसमें तीन को मरणोपरांत पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

प्रभारी सचिव सचिवालय प्रशासन विनोद कुमार सुमन के मुताबिक देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल, भारतीय फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी को यह पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रहे स्व. जनरल बिपिन रावत, कवि, लेखक और गीतकार रहे स्व.गिरीश चंद्र तिवारी, साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में स्व. वीरेन डंगवाल को मरणोपरांत इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उत्तराखंड गौरव सम्मान दिए जाने की तिथि, स्थान और समय बाद में अलग से जारी किया जाएगा। उत्तराखंड गौरव सम्मान के लिए पिछले साल पर्यावरण के क्षेत्र में डॉ.अनिल जोशी, साहसिक खेल के लिए बछेंद्री पाल, संस्कृति के लिए लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी, साहित्य के क्षेत्र में रस्किन बांड के नाम की घोषणा हुई थी।

26 साल की उम्र में अमन ने पाई राजनीतिक विरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट का उपचुनाव जीतकर अमन सबसे कम उम्र के विधायक बने हैं। महज 26 साल की आयु में पिता की राजनीतिक विरासत उनके पास आई है। छह सितंबर

को भाजपा विधायक अरविंद गिरि के आकस्मिक निधन के बाद रिक्त हुई सीट पर पार्टी ने उनके बेटे अमन गिरि को प्रत्याशी बनाया। तीन अक्टूबर को घोषित किए गए इस चुनाव में अमन गिरि अपने दिवंगत पिता विधायक अरविंद गिरि द्वारा तैयार की गई राजनीतिक जमीन के सहारे उतरे। मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी अमन गिरि को जिता का विधानसभा भेज दिया। अब क्षेत्र की विकास का जिम्मा उनका भी है जिन्होंने चुनाव के दौरान जनता को भरोसा दिया था। खास बात है कि भाजपा के अमन गिरि जिले में सबसे कम उम्र के विधायक बन गए हैं। उन्होंने सपा को 34,298 वोट से परास्त किया। याद करें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में उनके पिता अरविंद गिरि ने भी सपा के विनय तिवारी को चुनाव हराया था। तब जीत और हार का अंतर 29,294 वोटों का था।

» पिता की जीत का भी तोड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ में सुबह ठंड तो दिन में गर्मी का एहसास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम में रोजाना सुबह के समय हल्के कोहरे के साथ धुंध पड़ने लगी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई में भी लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। कल लखनऊ का एक्यूआई 229 दर्ज किया गया था। हालांकि आज मौसम साफ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार एक्यूआई दोपहर 2 बजे तक 200 से ऊपर ही है। ऐसे में कल सुबह के समय हल्का कोहरा और धुंध हो सकती है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी सूची के अनुसार, एक्यूआई में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। वायु प्रदूषण की स्थिति को जानने के लिए लखनऊ में लालबाग, अलीगंज, गोमतीनगर, तालकटोरा, कुकरैल और रायबरेली रोड पर मापक यंत्र लगाए गए हैं। प्रति मिनट हवा की गुणवत्ता अंकों के हिसाब से दर्ज होती है। रविवार की रात नौ बजे तक लालबाग में एक्यूआई का स्तर 234, अलीगंज में 205, गोमती नगर में 137, कुकरैल पिकनिक स्पाट-1 में 180, रायबरेली रोड स्थित भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में 211 और तालकटोरा डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज सेंटर पर लगे मापक यंत्र में एक्यूआई स्तर 317 पर दर्ज हुआ। एक्यूआई के मापक यंत्र में दर्ज अंकों के आधार पर शहर में हवा की स्थिति का अंदाजा लगाया जाता है।

कोविड जैसी हो डेंगू के मानीटरिंग की व्यवस्था : एके शर्मा

» रोकथाम के लिए बनाएं डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डेंगू तेजी से पैर पसार रहा है। कानपुर, बरेली, अलीगढ़, फतेहपुर, लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में तेजी से डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। तेज बुखार के चलते मरीजों की मौत भी हो रही है।

डेंगू पर नियंत्रण करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को फील्ड पर जाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने डेंगू के लगातार बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर डेंगू व मलेरिया से निपटने की नसीहत दी है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग

के जरिए उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्यालय स्तर पर डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित करें। स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर डेंगू, मलेरिया के मरीजों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं। जरूरत पड़ने पर गंभीर मरीजों को स्वयं अस्पतालों में भर्ती कराएं। एके शर्मा ने कहा कि मानीटरिंग की व्यवस्था कोविड जैसी होनी चाहिए। उन्होंने डेंगू, मलेरिया के फैलाव को रोकने के लिए लगातार फागिंग करने और एंटी लार्वा का छिड़काव करने का निर्देश दिया।

डेंगू से युद्ध स्तर पर निपटने के निर्देश

नगर विकास मंत्री ने प्रयागराज, अयोध्या एवं गोरखपुर में परिस्थितियों को नियंत्रित करने की जवाबदेही स्थानीय निकाय निदेशक नेहा शर्मा को सौंपी। अलीगढ़, कानपुर व लखनऊ के नगर आयुक्तों को सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ वर्तमान परिस्थितियों से युद्ध स्तर पर निपटने को कहा। अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, वाराणसी, तथा चित्रकूट व अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर डेंगू के रोगियों एवं इसके फैलाव पर विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया।

कानपुर में एसएनके पान मसाला फैक्ट्री में आग से हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर की एसएनके पान मसाला फैक्ट्री में आज सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। सिर्फ 20 मिनट में आग फैक्ट्री में पूरी तरह से फैल गई। परिसर में खड़ी गाड़ियां भी धू-धूकर जलने लगीं। इसके बाद फजलगंज फायर स्टेशन से एक-एक करके करीब 7 गाड़ियां वहां पहुंची।

सीएफओ और एसएफओ की मौजूदगी में 2 घंटे तक मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि शॉट सर्किट से आग भड़की थी। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 8:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। जानकारी मिलते ही पहले तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ ही दो एफएसओ कैलाश चंद्र और विनोद पांडेय मौके पर भेजा गया था। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया गया।

उपचुनाव में किधर गए बसपा और कांग्रेस के वोटर!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी जिले के गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा ने सपा को पटखनी दे दी है। इससे पहले भी यह सीट भाजपा ने ही जीती थी। मतगणना के बाद चुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं उनके मुताबिक जीत या हार तो अपनी जगह पर है लेकिन अगर पिछले चुनाव की बात करें तो दोनों दलों के वोट घट गए हैं।

हालांकि दोनों दलों का वोट प्रतिशत बढ़ा है। इसकी वजह इस बार मतदान का कम होना है। पिछली बार जहां 259993 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। वहीं इस बार 3 नवम्बर को हुई वोटिंग में 223352 वोटरों ने अपना वोट डाला। माना जा रहा है कि कांग्रेस और बसपा के मैदान में न होने की वजह से उसके मतदाता नहीं निकले, वहीं सपा के वोटरों में भी मतदान को लेकर कोई उत्साह नहीं था। लिहाजा जहां पिछली बार सपा को 97240 वोट मिले थे वहीं इस बार 90512 वोट ही मिले। पिछले चुनाव में बसपा को 26970 वोट मिले है तो वहीं कांग्रेस को 3513 वोट। भाजपा को मुख्य चुनाव को एक लाख 26 हजार वोट मिले थे। इस बार भाजपा को एक लाख 24 हजार 810 वोट मिले हैं। वोट प्रतिशत की बात करें तो पिछली बार भाजपा को करीब 49 प्रतिशत वोट मिला था, इस बार ये आंकड़ा करीब 55 प्रतिशत से ज्यादा है। सपा प्रत्याशी को पिछली बार 37 प्रतिशत वोट मिला था, इस बार ये आंकड़ा करीब 40 प्रतिशत तक पहुंचा गया। भाजपा को इस बार 1190 वोट कम मिले हैं, हालांकि ये अंतर भाजपा के लिए बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता है। जानकारों की मानें तो भाजपा के वोटर तो वोट डालने बाहर निकले, लेकिन सपा के वोटरों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। दूसरा कारण ये है कि सपा को उम्मीद थी कि बसपा कांग्रेस का वोट शिफ्ट होगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।